पर्वत प्रदेश में पावस

Question 1.
आकाश कैसा लग रहा है ?
(a) स्वच्छ
(b) धुंध भरा
(c) शांत
(d) अशांत

▼ Answer

Answer: (c) शांत।

Question 2.
बादल आकाश की ओर कैसे देख रहे हैं ?
(a) आतुरता से
(b) उत्सुकता से
(c) आश्चर्य से
(d) बिना पलक झपके (एकटक)

▼ Answer

Answer: (d) बिना पलक झपके (एकटक)।

Question 3.
भूधर कहाँ उड़ गया ?
(a) आकाश में
(b) पर्वतों के पार
(c) वे भूधर नहीं बादल में
(d) वृक्षों के बीच

▼ Answer

Answer: (c) वे भूधर नहीं बादल थे।

Question 4.
वर्षा समाप्त होने पर किसका शोर शेष रह गया ?
(a) बादलों का
(b) झरनों का
(c) पक्षियों का
(d) हवा का

▼ Answer

Answer: (b) झरनों का।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 5.
शाल के पेड़ कहाँ गए ?
(a) धुंध में छिप गए
(b) उखड़ कर ज़मीन पर गिर पड़े
(c) ऊँचे उठ गए
(d) सोच में पड़ गए

▼ Answer

Answer: (a) धुंध में छिप गए।

Question 6.
'उठ रहा धुंआ जल गया ताल' कवि ने ऐसा क्यों कहा ?
(a) क्योंकि पानी में आग लग गई थी
(b) धुंध के कारण ऐसा लग रहा था
(c) झरनों का पानी ताल में गिरने से कोहरा उत्पन्न हो गया था; जो धुंए के समान लग रहा था
(d) पानी गर्म था इसलिए

▼ Answer

Answer: (c) झरनों का पानी ताल में गिरने से कोहरा सा उत्पन्न हो रहा था जो धुंए के समान लग रहा था।

Question 7.
'-यों जलद-यान में विचर-विचर' यहाँ कौन-सा अलंकार है ?
(a) उपमा
(b) रूपक
(c) उत्प्रेक्षा
(d) मानवीकरण

▼ Answer

Answer: (b) रूपक।

Question 8.
जादू के खेल कौन खेल रहा था?
(a) अग्नि-देवता
(b) सूर्य देवता
(c) चन्द्र-देवता
(d) इन्द्र-देवता

▼ Answer

Answer: (d) इन्द्र-देवता।

Question 9.
'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के रचयिता कौन हैं ?
(a) मैथिलीशरण गुप्त
(b) सुमित्रा नंदन पंत

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(c) महादेवी वर्मा
(d) कैफी आजमी

▼ Answer

Answer: (b) सुमित्रानंदन पंत।

Question 10.
कौन अपना वेश पल-पल बदल रहा है?
(a) पर्वत
(b) बादल
(c) प्रकृति
(d) वृक्ष

▼ Answer

Answer: (c) प्रकृति।

Question 11.
'सहस्र दृग सुमन फाड़' पंक्ति में निहित अलंकार
(a) उपमा एवं रूपक
(b) रूपक एवं मानवीकरण
(c) श्लेष एवं यमक
(d) यमक एवं रूपक

▼ Answer

Answer: (b) रूपक एवं मानवीकरण।

Question 12.
पर्वत अपना आकार कहाँ देख रहे हैं ?
(a) दर्पण में
(b) नदी में
(c) समुद्र में
(d) अपने चरणों में बन गए ताल में

▼ Answer

Answer: (d) अपने चरणों में बन गए ताल में।

Question 13.
ताल की तुलना दर्पण से क्यों की गई है?
(a) क्योंकि ताल में दर्पण की तरह पर्वत को अपनी छवि दिखाई दे रही है
(b) क्योंकि ताल दर्पण की तरह सुंदर है
(c) क्योंकि ताल का पानी साफ है
(d) क्योंकि ताल में दर्पण की छवि सुंदर लग रही है

▼ Answer

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer: (a) क्योंकि ताल में दर्पण की तरह पर्वत को अपनी छवि दिखाई दे रही है।

Question 14.
पर्वत के गौरव का गुणगान कौन कर रहा है?
(a) पक्षी
(b) झरने
(c) वृक्ष
(d) तालाब

▼ Answer

Answer: (b) झरने।

Question 15.
झरते हुए झरने कैसे लग रहे हैं ?
(a) फूलों की लड़ियों जैसे
(b) साँप जैसे
(c) पगडंडी जैसे
(d) मोती की लड़ियों जैसे

▼ Answer

Answer: (d) मोती की लड़ियों जैसे।

Question 16.
निझरों में क्या चीज भरी हुई है ?
(a) झाग
(b) फूल
(c) पत्ते
(d) टहनियाँ

▼ Answer

Answer: (a) झाग।

Question 17.
'तरुवर' मन में क्या भाव लिये ऊपर उठ रहे हैं ?
(a) उच्चाकांक्षाओं का भाव
(b) नफरत का भाव
(c) निराशा का भाव
(d) प्रतिस्पर्धा का भाव

▼ Answer

Answer: (a) उच्चाकांक्षाओं के भाव।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 18.
वृक्ष किसकी ओर देख रहे हैं ?
(a) ताल की ओर
(b) आकाश की ओर
(c) पर्वत की ओर
(d) झरनों की ओर

▼ Answer

Answer: (b) आकाश की ओर।

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

(1)

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,
-जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल!

Question 1.
इन पंक्तियों में किस ऋतु का वर्णन किया गया है ?
(a) वसंत ऋतु
(b) ग्रीष्म ऋतु
(c) हेमंत ऋतु
(d) वर्षा ऋतु

▼ Answer

Answer: (d) वर्षा ऋतु।

Question 2.
प्रकृति अपना वेश पल-पल क्यों बदल रही है ?
(a) गर्मी के कारण
(b) सूरज के कारण
(c) आकाश में छाए बादलों के कारण
(d) पर्वतों के कारण

▼ Answer

Answer: (c) आकाश में छाए बादलों के कारण।

Question 3.
पर्वत दूर से देखने पर कैसे लग रहे हैं ?
(a) धनुषाकार

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(b) मेखलाकार
(c) वृत्ताकार
(d) आयताकार

▼ Answer

Answer: (b) मेखलाकार।

Question 4.
पर्वत अपनी कैसी आँखों से जल में अपने रूप को निहार रहे हैं ?
(a) काजल लगी आँखों से
(b) नीली-नीली आँखों से
(c) फूलों रूपी आँखों से
(d) बड़ी-बड़ी आँखों से

▼ Answer

Answer: (c) फूलों रूपी आँखों से
सहस्रों फूलों रूपी आँखों से।

Question 5.
'दर्पण-सा फैला विशाल!' पंक्ति में निहित अलंकार बताइए।
(a) उपमा
(b) रूपक
(c) मानवीकरण
(d) उत्प्रेक्षा

▼ Answer

Answer: (a) उपमा
उपमा अलंकार (ताल की तुलना दर्पण से की गई है)।

---

(2)

गिरि का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस-नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों-से सुंदर
झरते हैं झाग भरे निर्झर!
गिरिवर के उर से उठ-उठ कर
उच्चाकांक्षाओं से तरुवर
हैं झाँक रहे नीरव नभ नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंतापर

Question 1.
कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

▼ Answer

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:
संकेत-
कवि : सुमित्रा नंदन पंत।
कविता : पर्वत प्रदेश में पावस।

Question 2.
पर्वतों से झरते हुए झरने कैसे लग रहे हैं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वे मन-भावन लग रहे हैं
- ऐसे लग रहे हैं जैसे मोतियों को लड़ियों में पिरो दिया है।

Question 3.
झरने शरीर में उत्तेजना क्यों भर रहे हैं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- झरनों से उत्पन्न संगीत मदहोश कर देने वाला है
- झरनों का शोर कर्ण प्रिय है।

Question 4.
पेड़ आकाश की ओर कैसे देख रहे हैं और क्यों ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- उठ-उठ कर देख रहे हैं
- वे भी आकाश तक ऊँचा उठने की कामना कर रहे हैं
- वे एकटक आकाश की ओर निहार रहे हैं।

Question 5.
इन पंक्तियों में किस-किसका मानवीकरण किया गया

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- झरनों का
- पेड़ का।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(3)

उड़ गया, अचानक लो, भूधर
फड़का अपार वारिद के पर!
रव-शेष रह गए हैं निर्झर!
है टूटा पड़ा भू पर अंबर!
धंस गए धरा में सभय शाल!
उठ रहा धुआँ, जल गया ताल!
-यों जलद-यान में विचर-विचर
था इंद्र खेलता इंद्रजाल।

Question 1.
भूधर के उड़ने से कवि का क्या तात्पर्य है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- पर्वतीय क्षेत्र में बादल घिर आए हैं
- पर्वत दिखाई नहीं दे रहा
- जिनको भूधर समझा था वे बादल थे।

Question 2.
भू पर अंबर कैसे टूट पड़ा ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- बादलों के बरसने से।

Question 3.
'उठ रहा धुआँ जल गया ताल' से कवि का क्या आशय

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- भरे हुए पानी पर जोर-जोर से वर्षा होने व झरनों के गिरने से जल वाष्पित होकर उड़ने लगता है
- ऐसा लगता है मानो यह धुंआ है।

Question 4.
इन्द्र देवता कैसे यान में विचरण कर रहे हैं ?

▼ Answer

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:
संकेत-

- जलद रूपी यान में।

Question 5.
इस काव्यांश में कौन-कौन से अलंकार हैं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- विचर-विचर में पुनरुक्ति प्रकाश
- जलद-यान में रूपक अलंकार
- 'धंस गए धरा में सभय शाल' मानवीकरण अलंकार।

बोधात्मक प्रश्न

Question 1.
पर्वत अपने स्वरूप को जल में किस प्रकार देख रहा था?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- विस्मय के साथ
- सुमन रूपी दृगों से।

Question 2.
झरते हुए झरनों से वातावरण कैसा हो गया है?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- संगीतमय
- मदहोश कर देने वाला
- पर्वत प्रदेश झरनों के कारण मुखरित हो गया है।

Question 3.
तरु मन में क्या भाव लेकर ऊपर उठ रहे हैं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- आगे बढ़ने का भाव
- जीवन में उन्नति की ओर अग्रसर होना चाहते हैं।

Question 4.
वर्षा ऋतु में पल-पल बदल रहे प्रकृति वेश के किसी एक दृश्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- पर्वतों से झरने झर रहे हैं
- झरते हुए झरने ऐसे लग रहे हैं जैसे मोतियों की माला में पिरोया गया हो।

Question 5.
कवि ने पर्वत के उड़ जाने की कल्पना क्यों की?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- दूर से देखने पर पर्वत और बादल एक जैसे लग रहे थे
- बादल तो बरस गए तब कवि को लगा कि पर्वत उड़ गया है
- जिसे कवि पर्वत समझ रहा था, वे बादल थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in